PAEDIATRIC CATARACT
बच्चों में मोतिया

बच्चों में मोतिया किसी भी उम्र में एक या दोनों आँखों में हो सकता है। किसी को यह बीमारी जन्म के समय ही अथवा कुछ वर्षों बाद हो सकती है । इस मोतिया के साथ बच्चों की आँखों में कुछ और दोष भी हो सकते हैं। बच्चे का ऑपरेशन डॉक्टर की सम्पूर्ण जाँच के बाद व मरीज की हाव-भाव व उसकी दृष्टि के अनुरूप उसके खेलने व आस-पास के कामों की रुचि के अनुसार किया जाता है। यदि मोतिया काफी ज्यादा है तो ऑपरेशन जल्दी करना चाहिए, अन्यथा नजर का स्थाई रूप से कमजोर होना (Amplyopia) व Binocular Vision का नुकसान हो जाता है। इस शल्य क्रिया को मरीज को पूरी तरह से बेहोश करके ही किया जाता है व कृत्रिम लैन्स प्रत्यारोपण मरीज की उम्र व उसकी आँख की स्थिति व नजर देखकर किया जाता है। दोनों आँखों का ऑपरेशन सामान्यतया अलग-अलग व ऑपरेशन की आँख की स्थिति के बाद किया जाता है।

ऑपरेशन के पश्चात् आँख की देखभाल

ऑपरेशन के बाद आँख में दर्द, सूजन तथा आँख लाल भी रह सकती है। इसके लिए दर्द निवारक गोली या पीने की दवा तथा कुछ आँख में डालने हेतु बूँद की दवा दी जाती है। ऑपरेशन के अच्छे परिणाम हेतु बच्चे के अभिभावक या संरक्षक की भूमिका भी अहम होती है, उन्हें अपने बच्चे की आँखों की जाँच समय-समय पर करवानी चाहिए ताकि किसी भी अवांछित समस्या का समय पर निदान किया जा सके । कभी-कभी बच्चों के अन्दर मोतियाबिन्द के अलावा अन्य प्रकार की आँख में बीमारी अथवा शरीर से सम्बन्धित बीमारी हो सकती है, जिसके लिए भविष्य में अन्य प्रकार के ऑपरेशन की भी आवश्यकता हो सकती है।

ऑपरेशन के बाद हो सकने वाली समस्याएँ

1. ऑपरेशन के बाद कृत्रिम लैन्स के पीछे की झिल्ली का मोटा होना (1 वर्ष से छोटे बच्चों में ज्यादा होता है) ।
2. **निरन्तर परिवर्तनशील दृष्टि विकार** : इसके लिए समय-समय पर बच्चे की जाँच करके उसे उपयुक्त नम्बर का चश्मा दिया जाता है।
3. **स्थाई रूप से नजर का कम रहना (Amplyopia)** : इसके लिए अभिभावक अथवा संरक्षक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चा विशेषज्ञ द्वारा बतलाई गई आँख को बन्द करने की विधि का पालन कर रहा है।
4. **काला पानी** : इसके लिए समय-समय पर बच्चे की आँख के तनाव की जाँच जरूरी है, ताकि समय पर दवाइयों द्वारा इसका निदान किया जा सके।
5. परदे का खिसकना।
6. आँख के अन्दर संक्रमण।
7. **भैंगापन तथा अनैच्छिक आँख का घूमना** : इसके लिए बाद में दूसरे ऑपरेशन की भी आवश्यकता हो सकती है।

- बच्चे के अभिभावक अथवा संरक्षक को बच्चे की जीवनपर्यन्त नियमित रूप से जाँच करानी चाहिए ताकि किसी भी समस्या का समय पर निदान किया जा सके।

मुझे ऑपरेशन से होने वाले समस्त संभावित लाभ तथा अवांछनीय परिणामों के बारे में भली-भाँति समझा दिया गया है तथा जानकारियों से अवगत होने के पश्चात् मैं अपने बच्चे के ऑपरेशन की सहमति दे रहा हूँ।

दो वर्ष से कम बच्चे में मोतिया के ऑपरेशन के साथ Vitrectomy भी की जा सकती है।